विधान सभा में वाई-फाई सुविधा के शुभारंभ पर माननीय अध्यक्ष का उद्‌बोधन

(स्थान : विधायक कक्ष, दिनांक : 22.06.2015)

सूचना और संचार तकनीक के विकास ने आज सम्पूर्ण विश्व को एक 'ग्लोबल विलेज' (वैश्विक गांव) बना दिया है। यह टैक्नोलॉजी विधान मण्डल सचिवालयों के लिए भी उपयोगी सिद्ध हुई है। इसने जहां एक ओर पारदर्शिता को बढ़ाया है वहीं दूसरी ओर विधान मण्डलों के कार्यों में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

कहा जाता है कि अंधे धृतराष्ट्र द्वारा महाभारत का युद्ध नहीं देख पाने पर उन्होंने संजय को कहा कि वह उन्हें बताये कि युद्ध में क्या-क्या हो रहा है? कहते हैं संजय ने अंगूठी के माध्यम से धृतराष्ट्र को युद्ध का जीवंत विवरण सुनाया था। कुछ वर्षों पूर्व तक तो इस बात को किंवदन्ती के रूप में ही माना जाता रहा है लेकिन आज इसे आई.टी. (सूचना प्रौद्योगिकी) के विकास ये जोड़कर देखें तो यह संभव प्रतीत हो रहा है कि संजय ने महाराज धृतराष्ट्र को महाभारत का जीवंत विवरण सुनाया होगा। आज स्मार्ट फोन, लैपटॉप, टैबलेट और आई पैड जैसे उपकरण आ गये हैं जिन पर इन्टरनेट आदि के जरिये विश्व के दूसरे छोर की गतिविधियों को भी जीवंत देखा जा सकता है।

गत दशकों में आई.टी. के विकास और विस्तार से विधान मण्डल सचिवालय भी कम्प्यूटरीकरण द्वारा सूचना तकनीक की दृष्टि से अप-टू-डेट हो गये हैं। इसी का परिणाम है कि आज विधानसभाओं से सम्बन्धित सूचनाएँ भी इन्टरनेट द्वारा जन-साधारण को उनकी वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि आई.टी. के क्षेत्र में आगे रहने वाली राजस्थान विधान सभा ने सदा ही नवाचार (इनोवेशन) को महत्त्व दिया है। मेरी जानकारी में आया है कि इस विधान सभा की वेबसाइट मार्च, 2000 में ही लॉन्च कर दी गई थी।

अपनी वेबसाइट लॉन्च करने वाली यह देश की पहली विधान सभा रही है। मुझे यह कहते हुए भी गर्व की अनुभूति हो रही है कि संसदीय प्रश्नों तथा उनके उत्तरों की ऑनलाइन प्रणाली ओएसिस OASYS (Online Answering Information System for Assembly Questions) को शुरू करने में भी इस विधान सभा ने ही पहल की है। इस प्रणाली (ओएसिस) की सफलता इस बात से प्रकट होती है कि इसे राष्ट्रीय स्तर के 'नेशनल अवार्ड फॉर ई–गवर्नेन्स, 2011–12' के लिए चुना गया। हमारे लिए यह भी हर्ष का विषय है कि अनेक राज्य विधान सभाओं ने हमारा अनुकरण करते हुए इस प्रणाली को अपने यहां लागू किया है।

विधान सभा कार्यवाही वृतान्त सूचना प्रणाली के रूप में Assembly Proceedings Information System (APRISE) (अप्राइज़) नामक सॉफ्टवेयर भी एक उपयोगी प्रणाली है जिसके माध्यम से विधान सभा के कार्यवाही वृतान्तों में से विषयवार, तिथिवार, विभागवार तथा सदस्यवार सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है। हिन्दी की सामग्री में से आवश्यकता के अनुसार खोज करने की यह भी एक अद्वितीय प्रणाली है जो काफी उपयोगी सिद्ध हो रही है।

आई.टी. के क्षेत्र में अग्रणी रही राजस्थान विधान सभा के परिसर में वाई–फाई सुविधा शुरू हो जाने से यह विधान सभा अब भारत की उन गिनी–चुनी विधान सभाओं में शामिल हो गई है जहां यह सुविधा उपलब्ध है। मुझे विश्वास है इस सुविधा के शुरू होने से माननीय सदस्यों सहित सभी को इसका लाभ मिलेगा। मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करूँगा कि वे अपने स्मार्ट फोन्स तथा लैपटॉप पर इस सुविधा का उपयोग कर विधान सभा की कार्यवाही के स्तर को उन्नत बनाने में योगदान देंगे। मैं इस अवसर पर विधान सभा में वाई–फाई के लिए आवश्यक उपकरणों की स्थापना कर सुविधा शुरू करने के लिए विधान सभा के कम्प्यूटरीकरण से जुड़े अधिकारियों तथा एन.आई.सी. अधिकारियों को भी बधाई देता हूँ। धन्यवाद।

□

विधान सभा में वाई-फाई सुविधा के शुभारंभ पर सचिव द्वारा स्वागत भाषण

राजस्थान विधान सभा सचिवालय में वाई–फाई सेवा के शुभारंभ के अवसर पर मैं माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यगण, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती इन्दु गुप्ता, प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण तथा उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करता हूँ।

जैसाकि सर्वविदित है सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने आज सभी क्षेत्रों में क्रांति ला दी है। इस तकनीक से विधान मण्डल भी अछूते नहीं रहे हैं। मुझे यह कहते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आज राजस्थान विधान सभा में वाई–फाई सेवाओं का शुभारम्भ माननीय अध्यक्ष महोदय के कर–कमलों से होने जा रहा है। विधान सभा सचिवालय का कम्प्यूटरीकरण नब्बे के दशक में चरणबद्ध रूप से शुरू हुआ जो तीन चरणों में पूरा हुआ। विधान सभा के कम्प्यूटरीकरण में प्रारम्भ से ही राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एन.आई.सी.) की राजस्थान इकाई के अधिकारियों का तकनीकी सहयोग रहा है। राजस्थान विधान सभा देश की पहली विधान सभा रही है जिसने विधान मण्डल सचिवालय के कम्प्यूटरीकरण के क्षेत्र पहल की है। इन्फ्रास्ट्रेक्चर विकसित करने के साथ ही विधान सभा की वेबसाइट बनाने तथा यहां की विभिन्न शाखाओं के लिए सॉफ्टवेअर्स तैयार कर पेपरलैस विधान सभा की दिशा में आगे बढ़ने का जो प्रयास यहां किया है वह अन्य राज्य विधान सभाओं के लिए प्रेरणादायी सिद्ध हो रहा है।

सूचना सामग्री की दृष्टि से राजस्थान विधान सभा की वेबसाइट काफी समृद्ध है। इस पर कार्यसूची, कार्य सलाहकार समिति के प्रतिवेदन, प्रश्न, विधान सभा की कार्यवाही के वृतान्त, प्रक्रिया नियमावली, अध्यक्ष के निर्देश, समितियों के आंतरिक कार्यप्रणाली नियम, नोटिस व फार्म आदि उपलब्ध कराये गये हैं। यहां वर्ष 2010 से अब तक विधान सभा के प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध हैं तथा विधान सभा के कार्यवाही वृतान्तों के ग्यारहवीं विधान सभा (वर्ष 1999) से अब तक के अंक उपलब्ध है।

कम्प्यूटरीकरण की सफलता के लिए सुरक्षित एवं गतिशील नेटवर्क पहली आवश्यकता है। विधान सभा के भवन निर्माण के समय तथा बाद में भी तकनीक को अपडेट करते हुए यहां समय–समय पर सुविधाओं का विस्तार किया गया है। वर्तमान में इस सचिवालय में लगभग 500 नोड्स के द्वारा लोकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से सभी कक्षों में 34 एमबीपीएस लीज लाइन के जरिये इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में तकनीक के बढ़ते प्रयोग तथा माननीय सदस्यों के लिए विधान सभा सचिवालय में इन्टरनेट सेवाओं को गतिशील बनाने के उद्देश्य से विधान सभा परिसर में वाई–फाई सुविधा हेतु उपकरण स्थापित किये गये हैं।

जैसा कि आप सभी जानते हैं वाई–फाई एक ऐसी वायरलैस नेटवर्क तकनीक है जिसमें बिना वायर के रेडियो तरंगों की सहायता से उच्च गति की इन्टरनेट सुविधा प्राप्त होती है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसकी गति अन्य सेवा प्रदाताओं से अधिक होती है। यह तकनीक आजकल नये स्मार्ट फोन्स, लैपटॉप, आई पैड और टैबलेट आदि के लिए उपयोगी है।

आजकल वाई–फाई सेवा काफी लोकप्रिय हो गई है। यह सेवा देश के प्रमुख भवनों तथा पर्यटन स्थलों पर कुछ समय के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। दिल्ली का लालकिला हो, कुतुबमीनार हो, चाहे आगरा का ताजमहल, सभी जगह वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है। गत माह राष्ट्रपति जी द्वारा राष्ट्रपति भवन में भी इस सुविधा का शुभारंभ किया गया है। संसद में भी वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध है। मुझे माननीय सदस्यों को यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता है कि विधान सभा की वाई–फाई सुविधा से जुड़ने के बाद यदि आप संसद भवन में जायेंगे तो वहां की वाई–फाई सुविधा का भी उपयोग कर पायेंगे। इसके लिए पृथक से कोई रजिस्ट्रेशन नहीं करवाना होगा।

वाई–फाई सुविधा के लिए इस सचिवालय में 65 एक्सेस पाइन्ट स्थापित किये हैं जो लगभग पूरे परिसर को कवर करते हैं। यह सेवा सिक्योर होगी अर्थात् इस सेवा के उपयोग के लिए यूजर नेम, पासवर्ड के साथ–साथ डिवाइस का मैक आई.डी. भी रजिस्टर कराना होगा। माननीय सदस्यगण किन्हीं दो डिवाइस पर वाई–फाई सेवा प्राप्त कर सकते हैं। इस सेवा को आरम्भ करने के लिए ई–मेल खाता खोलने का फार्म तथा वाई–फाई सेवा आरम्भ करने के लिए निर्धारित फार्म भरकर इस सचिवालय में देना होगा। ये फार्म विधान सभा की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिये गये हैं। वाई–फाई के सम्बन्ध में तकनीकी जानकारी एन.आई.सी. की राज्य सूचना–विज्ञान अधिकारी श्रीमती गुप्ता द्वारा अपने सम्बोधन में दी जायेगी।

माननीय सदस्यों के अतिरिक्त इस सचिवालय के कार्मिकों तथा सत्रकाल के दौरान पत्रकारों तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया से जुड़े लोगों तथा अन्य व्यक्तियों को भी यह सेवा उनकी मांग के आधार पर सुलभ कराई जायेगी। माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा सेवा का शुभारंभ करने के पश्चात स्क्रीन पर प्रदर्शित सूचनाओं के आधार पर आप वाई–फाई की सुविधा का प्रयोग कर सकते हैं। यह सुविधा आज के लिए बिना रजिस्ट्रेशन के उपयोग में लाई जा सकती है। शेष दिनों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। धन्यवाद।

□